MP Board Class 7th Hindi Bhasha Bharti Notes Chapter 8 डॉ. अब्दुल कलाम के जीवन के प्रेरक प्रसंग

डॉ. अब्दुल कलाम के जीवन के प्रेरक प्रसंग परीक्षोपयोगी गद्यांशों की व्याख्या

1. "काफी कसमसाहट से भरे थे जीवन के वे दिन। एक ओर विदेशों में शानदार भविष्य था, दूसरी ओर था देशसेवा का आदर्श। इन दोनों में से एक का मेरे लिए चुनाव करना कठिन था। अन्ततः मैंने तय किया-पैसों के लिए विदेश नहीं जाऊँगा। भविष्य संवारने के मोह में देशसेवा का अवसर हाथ से जाने नहीं दूंगा।"

सन्दर्भ-प्रस्तुत पंक्तियाँ 'डॉ. अब्दुल कलाम के जीवन ... के प्रेरक प्रसंग' नामक पाठ से अवतरित हैं। लेखकों ने भूतपूर्व

राष्ट्रपति डॉ. अब्दुल कलाम के जीवन के प्रेरक प्रसंगों से छात्रों को राष्ट्रप्रेम से परिपूर्ण करने का प्रयास किया है।

प्रसंग-डॉ. अब्दुल कलाम की देशभक्ति और सेवा के महान आदर्श को प्रस्तुत किया है।

व्याख्या-डॉ. कलाम ने वैमानिक यान्त्रिकी में शिक्षा प्राप्त की। उस समय इस शिक्षा की योग्यता वाले विद्यार्थियों की माँग यूरोप और अमेरिका में बहुत अधिक थी। इन देशों में इनको अच्छा वेतन और सम्मान दिया जाता था। इस दशा में कलाम के सामने दो विकल्प थे। पहला यह कि वे विदेश चले जायें और धनार्जन करें और एक धनवान व्यक्ति के सम्मान को प्राप्त कर लें। दूसरा यह कि वे यहीं भारत में रहकर मातृभूति की सेवा करके उसके ऋण से उऋण हों।

उन्होंने अपनी ऊहापोह की स्थिति में विदेशों में जाकर शानदार भविष्य को संवारने की भावना को एक तरफ कर दिया और देश सेवा के महान् आदर्श को स्वीकार करके सभी देशवासी यवकों को देश की सेवा करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने प्रतिज्ञा कर ली कि वे धन कमाने की दृष्टि से विदेशों को नहीं जायेंगे। उन्होंने अपने महान और विशिष्ट ज्ञान से देश की सेवा करके देशसेवा के अवसर को अपने हाथ से खिसकने नहीं दिया।

शब्दकोश

अन्वेषक = खोजी, अन्वेषण करने वाला; आर्थिक = धन सम्बन्धी; सराबोर = डूबा हुआ, तरबतर, भीगा हुआ; मुखरित = कहना, किसी बात को स्पष्ट कर देना प्रतिबिम्ब = छाया, परछाई सोपान = सीढ़ी; परिवेश = वातावरण अस्त्र = हाथ से फेंककर चलाया जाने वाला हथियार; आभा = चमक;
परिणित = परिवर्तन, बदला हुआ; ऊहापोह = असमंजस, दुविधा; यथा अवसर = अवसर के अनुसार, उचित अवसर; कान्तिमान = चमकदार; सृजन-रचना, किसी वस्तु का निर्माण करना; आस्था = आदर, विश्वास; सहभागी – बराबरी का हिस्सेदार, सहयोगी; प्रतिमा = मूर्ति।